same basis for approved schemes of training of medical and para-medical personnel.

Grant receiving institutions—whether hospitals or schools— are not expected to carry on any activities of proselytization. No complaints of such activities have been received so far by the Ministries concerned, and if such complaints are received, these can be enquired into and necessary action taken.

Irrigation Projects Forwarded by Government of Gujarat

9198. SHRI D. R. PARMAR : Will the Minister of IRRIGATION AND POWER be pleased to state :

(a) the names of various irrigation projects forwarded to the Planning Commission by the Government of Gujarat to be icoluded in the Fourth Five-Year Plan ; and

(b) if so, the details thereof and which of them are proposed to be included in the Fourth Plan ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF IRRIGATION AND POWER (SHRI SIDDHESHWAR PRASAD): (a) and (b). Details of new irrigation schemes proposed by the Gujarat Government for inclusion in the Fourth Plan are given below :—

	Name of Scheme	Estimated cost (Rs. lakhs)	Ultimate benefits (000 acres)
1.	Sabarmati (Dharoi)	1276.00	1188.00
2.	Bajajsagar (Banswara)	850.00	Benefits under Mahi Project
3.	Damanganga	860.00	100.00
4.	Sipu	550.00	57.60
5.	Watrak	500.00	54.50
6.	Panam (Multi-purpose scheme)	700.00	40.80
7.	Harnav II	Details not available.	
8.	Veer II		

The irrigation programme in Gujarat during the Fourth Plan is yet to be finalised.

दूषित पानी का उपयोग

9199. **श्री महाराज सिंह भारती** : क्या **पैट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु** मन्त्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या सरकार ने शीरे से स्प्रिट बनाने वाले मिलों के दूषित पानी को उपयोग करने के प्रश्न पर विचार किया है ; जैसा कि फ्रांस में पशुओं का चारा पैदा करने तथा जापान में उर्वरकों के लिये पोटास तैयार करने के लिए किया जाता है ; और

(ख) यदि हां, तो उस पर क्या निर्णय किया गया है ?

पैट्रोलियम तथा रसायन और खान तथा धातु मन्त्रालय में राज्य मन्त्री (श्री बा० रा० चव्हाण) : (क) पता चला है कि पोटास साल्टस की प्राप्ति के लिए इण्डियन कौंसिल आफ मैडीकल रिसर्च के पब्लिक हैल्थ इन्जीनियरिंग रिसर्च यूनिट के एक दल ने मद्यशाला के मल-निस्सारी के उपयोग के लिए प्रयोगशाला और पाइलाट प्लांट में अन्वेषण किया है। कोई भी मद्यशाला इन अन्वेषणों पर कार्यान्वित करने के लिए अब तक तैयार नहीं हुई है।

(ख) प्रश्न नहीं उठता।

परिवार नियोजन कार्यक्रम के बारे में कालिन क्लार्क का वक्तव्य

*9201. **श्री राम स्वरूप विद्यार्थी :**
श्री नारायण स्वरूप शर्मा :
श्री ओम प्रकाश त्यागी :

क्या स्वास्थ्य तथा परिवार नियोजन और निर्माण, आवास तथा नगरीय विकास मन्त्री